Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 13 मौसम सम्बन्धी उपकरण

पाठ का सार संक्षेप

स्थान-स्थान का तापमान अलग-अलग होता है । दिन में तापमान अधि क रहता है, जबकि रात में तापमान कम रहता है। . तापमान मापने वाले यंत्र को थर्मामीटर कहते हैं । यह दो तरह का होता है। एक फारेनहाइट पैमाने का और दूसरा सेल्सियस पैमाने का । फारेनहाइट पैमाने के थर्मामीटर को डॉक्टरी थर्मामीटर कहते हैं । इससे किसी व्यक्ति का बुखार मापा जाता है । सेल्सियस पैमाने के थर्मामीटर को प्रयोगशाला या वेध शाला थर्मामीटर कहते हैं । इससे दिन और रात का तापमान मापा जाता है। यह प्रायः प्रयोगशालाओं या वेधशालाओं में रहता है । यहीं से अख पर काले अधिकतम और न्यूनतम तापमान की जानकारी प्राप्त कर अखबारों में छापते हैं । डाक्टरी थर्मामीटर में केवल पारा भरा रहता है, जबकि प्रयोगशाला

थर्मामीटर में पारा के साथ अल्कोहल भी भरा होता है। दोनों ही थर्मामीटर U आकार का होता है । . वायु की दिशा क्या है इसे भी जानने का एक उपकरण है। यह एक । छड़ के सहारे छत के काफी ऊपर तक रखा जाता है । एक छड़ के एक ओर तीर तथा दूसरी ओर मछली की पूँछ के आकार का चपटा उपकरण लगा रहता है । जब हवा चलती है तो यह चपटा उपकरण घूम जाता है । तीर की दिशा देखकर पता कर लेते हैं कि किस दिशा में हवा बह रही है।

वेधशाला में वर्षा मापने का भी यंत्र होता है । बोतल में एक कीप लगा होता है, जिससे होकर वर्षा जल बोतल में एकत्र होता है । बोतल में सेंटीमीटर का निशान बना होता है। उसी को देखकर पता कर लिया जाता है कि कितना सेंटीमीटर वर्षा हुआ है ।

https://www.evidyarthi.in/